No. of Printed Pages : 6

MVS–012

P. G. DIPLOMA IN VASTUSHASTRA

(PGDVS)

Term-End Examination

December, 2024

MVS–012 : GRIHPIND A VICHAR EVAM GRIHARAMBHA

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *This question paper is divided into two Sections. Both Sections are compulsory. Answer the questions in accordance with the instructions given in each Section.*

Section—A

Note : Answer any *three* of the following questions.

3×20=60

1. Describe the idea of auspicious and inauspicious in Gramavasa, according to the view of the Shastras.

2. Describe the characteristics of the permitted/praised and the prohibited plot of land (भूमि).

3. What is the idea of auspicious and inauspicious land on the basis of its colour, taste, smell etc. ? Elaborate.

4. What is the method of land evaluation in Vastushastra ? Write in detail.

5. What is the need of Panchanga for Vastu ? Describe in detail.

6. Describe the main components of Pinda-Sadhana.

Section—B

Note : Answer any *four* of the following questions.

4×10=40

1. How is the shape and type of land determined ? Explain.

2. What is the idea of Gramavasa (Village Dwelling) according to the Rasi (Zodiac) and Varga ? Describe.

3. Describe the *sixteen* types of Vastu land.

4. Mention the evaluation of land based on the process of digging a pit.

5. Describe the method of evaluation of land through the use of a lamp.

6. Describe the method for the instantaneous Spashta Surya Sadhana (Setting the position of the Sun).

7. What is the idea of getting wealth in land ? Describe.

8. What is the description of finding bones in land ? Also mention its method.

MVS–012

वास्तुशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी.जी.डी.वी.एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.वी.एस.–012 : गृहपिण्ड विचार एवं गृहारम्भ

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड–क

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 3×20=60

1. ग्रामवास में शुभ और अशुभ विचार का शास्त्रीय मत से वर्णन कीजिए।

2. प्रशस्त एवं निषिद्ध भूमि के लक्षण का वर्णन कीजिए।

3. वर्ण, रस, गंध आदि के द्वारा भूमि का शुभ और अशुभ विचार क्या है ? वर्णन कीजिए।

4. वास्तुशास्त्र में भूमि परीक्षण की क्या विधि है ? विस्तार से लिखिए।

5. वास्तु के लिए पंचांग के ज्ञान की क्या आवश्यकता है ? विस्तृत वर्णन कीजिए।

6. पिण्ड-साधना के प्रमुख अवयवों का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 4×10=40

1. भूमि के आकार-प्रकार का निर्धारण किस प्रकार होता है ? उल्लेख कीजिए।

2. राशि और वर्ग के अनुसार ग्रामवास का क्या विचार है ? वर्णन कीजिए।

3. वास्तुभूमि के **सोलह** प्रकारों का वर्णन कीजिए।

4. गर्त के द्वारा किये जाने वाले भूमि परीक्षण की विधि का उल्लेख कीजिए।

5. दीपक के माध्यम से भूमि परीक्षण की विधि का वर्णन कीजिए।

6. तात्कालिक स्पष्ट सूर्य साधना की विधि का वर्णन कीजिए।

7. भूमि में निधि प्राप्ति का विचार क्या है ? वर्णन कीजिए।

8. भूमि में शल्यप्राप्ति का क्या वर्णन है ? इसकी विधि का भी उल्लेख कीजिए।

× × × × × × ×